



[illegible][illegible]

श्रवद॥धकाजकुनचिनुनय॥॥विगुहविकुनय॥साक्षन॥धधशुनस
मांसंस्वामुमात्र॥श्रुतासुममनव॥श्रुतयनिस्योविशोधमात्र॥धधशुनस
मा॥~~वि~~धिरुमादं॥काजसिद्धिश्रु॥व॥४॥श्रुदव॥धकार्यमननचिनु
नयाकार्यस॥त्रिद्विविधिश्रुव॥संगायसुसन्॥धकाजसाकनश्रुप्रिव॥
श्रुनविशोधमात्रसन्श्रुतासुमात्र॥श्रुनयितिकावनयात्रसन्॥सिध
प्रिव॥सिद्धिश्रुवश्रु॥५॥श्रुवय॥धकार्यकुमुश्रुव॥विशोधस्यःधका
श्रुश्रुमानमसवःश्रुवदनामनवःधिरुमावत्रनसिधप्रिवनिवय॥

॥६॥श्रुमव॥साक्षन॥धकाजसःप्रकविगुनश्रुसन्॥मनसविकयु
सावमनवःश्रुतयनिस्योवचननःश्रुताचनयिव॥धधधकंसंगाय
श्रुममनवःधकार्यसिद्धिश्रुव॥७॥श्रुदश्रु॥धकाजस्यथविनयन
श्रुतश्रुनसमांश्रुवसानमनवःगाविवकमनवःननानमाक्षनवि
नरुमनवःकिम्बदिनश्रुमावधकाजमाक्षनधननत्रक्षीयनःश्रुधि
कानमादःश्रुथसंयनिमाक्षनधप्रिव॥८॥श्रुश्रुव॥धकाजःसिगनव
वैश्रुतःविगुसविकनयश्रुममनवःधमयाहाधमीमावतनःकम

सूनात्रः यवशः सात्रः कः सः सात्रः कः यवः कः तनः खवः मयूः रूयूः वः
धयः सः गुः माः सः सः कः कः रूयः मयूः वः धः तनः धकाः जसिधः रूयिवः
संयामूमात्रधुका ॥ ५ ॥ अथ ॥ धकाः जसिधः रूयिवः कः सितः रूसनः नानाधकाः तनः
यादाकार्यः सः विद्युः रूयूः वः तवः कः रूयूः वः शतुनः ययावः शलाः कातः सयः
धः यथः नमः सिधु ॥ १० ॥ अथ ॥ काः शायः धः सवूयः मयूः वः श्रमाका
यः रूमाः मावः उथः सः हाकः सूनः सिधयिवः शतुयाहः रूसः वादः धः काग
त्रयः मात्रः शः सवूयः मयूः वः उदः मयः यमात्रः त्रिधः सिधः रूयिव ॥ ११ ॥

१०
अथ ॥ धकाः जः श्रमाकाः रूयः कः लंकाः धः सिधयिवः कः धकः सात्रयामू
मात्रः मनः रूकाः विकलः ययादः सनः दयिवः काजः मसिधुनिः ॥ १२ ॥
अथ ॥ श्रमाकाः रूयः सदाः मनः रूयः मयूमात्रः धनः तारुः मितुः तारुः धूतुः तारुः
संखाः रायः मयूमात्रः निः ॥ १३ ॥ अथ ॥ धकाः जः श्रवदि
गुयाः रूनः धवः धिनः मसिधुः कः मितुः वः सनः धतः मयः मात्रः श्रथः रूसि
धयिवः निः ॥ १४ ॥ अथ ॥ धकाः जः विनुतः यश्रुनिः वः एकः विद
नयाः रूनः धवः धिनः तदः सिधयूवः संयामूमात्र ॥ १५ ॥ अथ ॥ धकाः जः

३२

गुरुतरुर्नाः मनसद ह मू मात्रः त्रिथी द व मा व त नः सिध प्रिव ॥ १ ॥
 ध का उः सुराग व न थः अ न क जा क मा व धिः न ना ह म सिधूः उ उ या डं-
 उ द मन सिध यि व इ प्रा ॥ ७ ॥ द श्र य ॥ अ मा का र्ज ह नि च न द जा जा थीः या
 हा का उ नि रु नः थ थ ध कं ह ना स वा प्र म न वः मन सौ ट इ य मा तः दान यू
 न मा व त न सिध प्रिव ॥ ८ ॥ द द व ॥ ध का र्ज उ जा त इ यि व सा क सं नु
 य इ प्रिवः महा क सु इ प्रिवः ला क न ७ प्र म रुः वि स्मृ त म न वः न क
 त नै सि प्रा ह नः द व मा व त न सिध प्रिव ॥ १० ॥ द व द ॥ ध का र्जः महा

४३

उ द मः सिधित्रा प्रवः कार्य वि धि इ प्रिवः ह ना स वा प्र म मू मा तः न क्रा त न सि
 ध प्रिवः न ॥ ११ ॥ द व व ॥ ध का र्जः प्र धू त्रि स हा व र्मान थः न न का उ सि धि
 इ प्री वः स गू त ना स इ प्रिवः ध न स ग य ना यि व ॥ १२ ॥ द श्र व ॥ ध का र्ज इ प्रि
 वः धि त्र सु मू द्र थः महा निर्म तः मन मा श्र न द या कः सं सु स गू या रु य ना स
 या कः न ना र्ज सिध प्रिव ॥ १३ ॥ द श्र श्र ॥ ध का र्जः श्र मा व द म ना र्थः य त व धि
 न स न म ग व थ व व धि न स न मा तः ध व का ल या रु त्र सिध प्रिव ॥ १४ ॥ द व य ॥
 ध का र्जः सिंह या य ता क म थः मन स श्र नं द या कः ग त म मी ट वः सं श्र त
 नः सिध प्रिवः मन धि रु रु का मालः हा वा ग य म न ज व ॥ १५ ॥ द व श्र ॥

रथकायः रथकथः मनात्राक हारकलाय तः पूगुववनसः विष्मसु डवः थवव
ठियावलनः ॐ कृते नाः सु मनुष्यः सिद्धिः मित्रवदुःखः मना संवा मू
त्र ॥ १५ ॥ ॐ निशासुशिकन दवावा म्येकुनः न यात्रकावा म्येः यासाक वदि
नामसाकः इगगलोक संवाधनः गुकागुरुदुःखविघ्ननसः सांनिध्यागि
कंस ॥ ॐ ॥ गुरुमस्तु सवदाकुरु ॥ गुरु ॥ ॥ ॐ ॥ ३ सगु सत्रवथ
नग ॥ ग्रावडावागः ये र मूनिः याना मन ॥ यममूनिः न दय काइ
जा ॥ गुरु ॥ सवगुः ॐ गग गुरुनिगुरुः सिधयादकनाः गुरु ॥ ॐ ॥

हगववगिरुना ॥ ॥ ॐ नमादुधना ॥ ॐ कवक यिगुना दानक
वृधनसकल हंशकृग सुः अमगगमि सि सुग ययिग डन सागगयि
कसत्र ॥ ॐ ॥ १५ ॥ यत्रिकवाधन गगधन वि रविः सहजगगमि
सुग सहवाकिः नृयगिसुगुयं संकुग विगः दूगयत्रवः जिती इयुवतिग
॥ १५ ॥ ॥ वगुयं गगगन कुरु वदु धिः ॥ ॐ नागमरुवगि र गीगनमि
॥ १५ ॥ ॥ गगगन प्रकत्रु विगुहा निमगगिनवः विगानमयि
॥ १५ ॥ ॥ गगगन प्रकत्रु विगुहा निमगगिनवः विगानमयि
॥ १५ ॥ ॥ गगगन प्रकत्रु विगुहा निमगगिनवः विगानमयि

सिधयै^{वै}कै ध क रू त य मू मा तः स नू व उ थै ध न नः ध का ज न त नैः भ वू
का ज या रु न ॥ १ ॥ य म म ॥ ध का जः ॥ २ ॥ र्ज थैः भ व या श्र यू तः श्र थ
कू रू त स नैः ग य म मू मा तः त्रि थै सि ध यि वः ध र्म सा व त न ॥ ३ ॥ ॥ य द श्र ॥
ध का ज सः जं ज्ञा त रू यि वः क का व ॥ व थैः म न स जं ज्ञा तः ध ध व श्र
मा स मू मा तः म स द ह मू मा तः स म रू श क या व त न सि ध यि व नि
॥ यः सं श्र मू मा त न ॥ ४ ॥ य म द ॥ ध का ज रू त स नैः उ म नू थैः नू ग त
सः श का मा काः ध न नः ध का ज न त नैः भ वू का ज या रु नैः श्र व स्यै सि ध यि

व ॥ ५ ॥ य व व ॥ ध का ज सः वि रं रू म न वः कू की त नं मा रु न ॥ ध का ज सः ग
ध ध त साः व न द हा स य मू थैः य न वू धि म नै व ॥ थ व वू धि न नै वः सि धि
श्र त स रू का म न व ॥ ६ ॥ य व य ॥ ध का जः श्र व हि त म दूः वि व क म दू थैः
नू मा यं म न स म दूः मा ढा का जः रू त या का र्थैः ना द नैः म न सः स द ह श्र
नैः त्रि थै द व मा व त न सि ध यि व ॥ १० ॥ य म व ॥ ध का र्जैः थ व र्व सा स म दूः
॥ ११ ॥ स्य स्यैः मा व न म दूः नि त्रि मा व व न स द स्यं धि रू मा ढं न वि त त य म
न कू स दि य थैः ध ध ध कैः श्र मा स म न वः द व मा व त न सि ध यि व ॥ ११ ॥

॥ यथ व ॥ धका ज स गामिने धा ड थ ॥ ध व श्र मू व ग म डू ॥ य व सा ॥ कि न के वि न न
 य मा नः स ग स वा म म न वः ॥ श्र मू म म न वः ॥ ध व वृ धि मा व त न सि ध मि वः
 ॥ १२ ॥ यथ य ॥ ध का र्मः इ मू वः सा ग न स मू ड थ ॥ श्र थ हा थ व श्र मू ग म
 डू ॥ ध न नः ध का र्म मा न गं ॥ म वू का र्म मा डू न ॥ १३ ॥ य व मू ॥ ध का र्मः व न स
 वां लु व स थ ॥ ध व श्र मि ता म डू ॥ य त्रा धि का त नः ॥ श्र वृ नि न वा ग म ताः ॥ य चि न
 नि का त ग ताः ॥ ध का र्म सि ध म क म हा दू तं क ॥ १४ ॥ यथ य ॥ ध का र्मः स मू
 ड व मा व तः ॥ श्र धि य नि मा हा द व थ ॥ य म उ य म मा डू ॥ सि ध म क नि वः ॥ श्र व

[illegible]

॥ददय ॥ धकार्जः त्रिस्वानर्थः न सा कः पा कौत्रसिधप्रिवः संभा मूमात्रः निष्प
 यनं सिधप्रिव ॥ ३ ॥ ददय ॥ धकार्जः मकतधजर्थः ॥ १ ॥ पाकप्रमदः उदया
 वतसिधप्रिवः संभा राय मूमात्र ॥ ४ ॥ ददय ॥ धकार्जः सत्रुग्निवैदर्थः माहा
 जालमाननवानः मनसरात्रयका सिधप्रिवः धनत्राकदप्रिवः सनुना सद्रूपी
 व ॥ ५ ॥ ददय ॥ धकार्जः समुद्रसवाधर्थः महाथाकः घात्रसवाधर्थः कुक्कु
 सयर्थः माहाकार्जः मसिधः कदाविगुः सिधलसः सत्रिगुः प्राणाः वदनाक
 सेरुप्रिवः ॥ ६ ॥ धकार्जः महाथाकः कुववर्थः सनुत्रयः दुमवित्राः धर्थः
 दयव ॥

संतनान्तसिधप्रिव उद्यायइ कोमालः वधिमावतनसिधप्रिवः म
 सिधधर्कसैरवामूमात्र ॥ १० ॥ ॥ ॥ ददय ॥ धकार्जः मायमात्रः चंदमाव
 नाहनमगसत्रयुताः दुगासमदः ताकार्जः तुनिः सिधप्रिव ॥ १ ॥ ददय ॥
 रूमाकार्जः सः शुवंसमभ्रमनवः मववविहा सपायमगवः सत्रुयनि
 स्रविधयागाः त्रिधुगुसिधप्रिव ॥ २ ॥ ददय ॥ धकार्जः सत्रुग्निः द्रवमान
 रूससः निमत्रकाजकावतयः साधनयामात्रः संभा मूमात्रः निष्पयनसि
 धप्रिव ॥ ३ ॥ ददय ॥ धकार्जः सः मनैहवमानरूससः समुस

तु ज म त यं जं का ज सि ध प्रि व नि ध प्र नः हं का मू मा त ॥ ५ ॥ व य द ॥ ४ ॥
का र्म स म्पू र्णः श्रु म्प द वा वि श्रुः या हा का ज सि ध प्रि व म न स श्रु ता म नू मा
तः स म्पू र्ण ना म य मी व ॥ ५ ॥ व य द ॥ ५ ॥ का जः नि ध प्र या ह नः पु को स
या म म न व ॥ ५ ॥ व य मा न न वि नु त या वः म द् व वि श्र म म म न व ॥ ५ ॥ व य द ॥
॥ ५ ॥ का जः श्रु त रू स नः स म्पू र्ण या द धू स वा ड थः आ हा का प्र म नि व ॥ ५ ॥ का
ज द मि मि त या व न न सि ध प्रि व ॥ ५ ॥ व य द ॥ ५ ॥ का जः त न दि य सः
वा ड थः वि नु त रू वा त रू म म्पू मा तः स म्पू र्ण नू ज म त यं का र्म सी ध प्रि व स

॥ व य द ॥ १ ॥
॥ ६ ॥ रि ध का रूः प रू क र स थः वि श्रु म द् का का का र्म सि ध प्रि व उ द म द् क मा
म मा तः ह ता स वा प्र म्पू मा त ॥ ६ ॥ व य द ॥ ६ ॥ का जः श्रु त रू वा तः का ज सि ध प्रि व
स म्पू र्ण न ज्ञा त रू म न या का जः व न न म नि व ॥ ७ ॥ व य द ॥ ७ ॥
का जः श्रु नं द रू म म्पू मा तः श्रु न क ग त रू द् थ न नः सि ध प्रि व या व न नं श काः
ध र्म या व न न रू का रू सि ध प्रि व ॥ ८ ॥ व य द ॥ ८ ॥ का रू ॥
ज उ रू म न व ॥ ९ ॥ व य द ॥ ९ ॥ का रू म या म मा तः त्रि ध प्रि
व नि ध प्र ॥ १० ॥ व य द ॥ १० ॥ का रूः स श्रु नं द रू स नः हा या व तौ द स्वा न

धीः श्रुतिमनसा तः मा को का कृता ॥ मद्रुवः सि ध्रुयूव ॥ १३ ॥ वद्रुद ॥
 ॥ थका कः श्रुतिनंशु मन्तः ना हा सवा डं मा श्रुत तथीः सिंह मा येक मथीः नि
 मयनं सि ध्रु ॥ १४ ॥ ववय ॥ थका क कृप विरु थः थव श्रुत मा मद्रुः त्रक धं व
 माके ॥ सध त मा दे तूट वः श्रुथनं गू सि ध्रुयूव रव ॥ १५ ॥ वदद ॥ थका क
 मद्रु वंश सनः रु ग व नि द वि थः श्रु न क सगू न न न य त य त्राः थ थ श्रु श्रु
 रुत सनः श्रु मा स म ग वः समु मा व त नं सि ध्रुयूव ॥ १६ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ २ य य य ॥ थका कः श्रु स सं घ ति त्रा म्रु वः ॐ रु दे व ता स के रु ग ति मा हू नः

ॐ कृ मता हस्त ॥ यत्तु तारु ॥ त्रि त्रि तारु ॥ विष्णि तारु ॥ ५ ॥ स कृ मता हस्त ॥ ७
 तु मता हस्त तारु ॥ ७ ॥ ॥ स कृ मता हस्त ॥ स त्रि त्रि ॥ अर्थः वत्तन नील
 त्रि व ॥ ६ ॥ न व मता हस्त ॥ यात सः क प्र सद य ॥ ५ ॥ द स मता हस्त ॥ मि तु
 वि त्तो दन क थं तारु ॥ १० ॥ ॥ का द स तारु हस्त ॥ वि त्तु सं तु त्रः धन तारु ॥ ११ ॥
 का द स तारु हस्त ॥ द व हानि ॥ १२ ॥ ॥ ॐ ति तारु हस्त त द सारु त स मा यु ॥ ॥
 ॥ ॥ ॐ न मा के तु व ॥ ॥ त्रि प क तु ॥ धन तारु ॥ ॥ स कृ के तु हस्त ॥ ७ ॥ व ति ॥ ॥
 का द स के तु हस्त ॥ ॥ स सारु ॥ वस्तु ॥ धन ॥ सुवर्ण ॥ मि तु यि ति ॥ ॥ ज र्म ॥ धा

[illegible]

॥ श्रीगुरुभक्ति
धर्मसिद्धि ।
विष्णुना
शान्तिना
नन्दल्लेख
कमलि
श्रीमिश्र
= मयक
प्रदक्षि
= सम्पन्न
योगीश्वर
पञ्चक्र
= अद्भुत
करसूत्र
= आर्द्र
सामन्त
वसन्त
सामन्त
सम्पन्न

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(मूषणा गवा रि कि सा ह्यायः दं सत्रा चं न वा धितः । दूदूव तडा क
कि दूदूव तन केः नान हि सा व तडा ष ॥ ॥ शीष दः वा तः उ स तः श्वा
कनः का त सि म नि नून या दा व न केः नान हि सा व तं ड ॥ ॥
शीष दः व त गः कू नः त्रि त रु तः य ध त न वा त वः दि द्वा स वा संः जि
द्वा स व व क नू ना स ॥ ॥ क न सू त या रि कि सा ह्याय ॥ ॥ वा त सा ष
दः दू स स थं ड क न सू त ड ॥ ॥ भा स वा याः ह कि तः स षू डः क न सू

नृद्धि मिः धगत्रा रुद मूवः ७३ रु ॥ ५ ॥ दसम वृषपतिरुत ॥ सुननासा ॥ शुभं न
मैरुः यूरुः तानिः धन हति ॥ १० ॥ प्रकादसवृष्यतिरुत ॥ सुननुक ॥ भो
नगाः धनेः रुमिः वस्तुः विनि ॥ सुवर्णः धन ॥ श्र ७४ त्रा रुत स्त्रीः ध
गत्रा रुद मूव ॥ ११ ॥ द्वाय सवृष्यतिरुत ॥ दि गत मन इष का तिः इष
याय नि ॥ विश्व सग मन इष का ति ॥ १२ ॥ ॐ निवृह स्थिति दश रुत
समीक ॥ ॥ ॥ टन सा ७५ काय ॥ ॥ जम्भ ७६ क या रुत ॥ तनि
किदा ॥ ७७ गंध ना रुत ॥ यथा ना रुत ॥ दधना रुत ॥ वस्तु ॥ संवय ॥ गुरु

काश ॥ सुख ॥ तत्र ॥ विनासि नित्ति ॥ उदश गय्यायति ॥ भूनः ॥ विज्ञा ॥
 लून ॥ यून ॥ धास मय्यं तारुदयूव ॥ १ ॥ द्वितीय ॥ कुरुत ॥ मे
 यतारु ॥ ताजादि तारु ॥ संतान तारु ॥ कुतुमवृष्टि ॥ मूर्तः ॥ अतं
 कात संरुग ॥ १ ॥ २ ॥ त्रितीय ॥ कुरुत ॥ यम भ्राज्या पाचकय
 रथ ॥ मॉन ॥ स्मन ॥ सुवर्ध ॥ वस्तु ॥ रुमि ॥ ययु ॥ त्रि ॥ समस्त
 तारु ॥ ३ ॥ चतुर्थ ॥ कुरुत ॥ मित्रजन सहाभावाव सहायार्त्त ॥ धन ॥ रा
 म् ॥ ययु ॥ ०० ॥ काश ॥ समस्त तारु ॥ ४ ॥ ॥ यं च म ॥ कुरुत ॥ गुनसं

गायमायूवादिंधूजनयायति॥ सतुथवशमायूवा॥ गुणधनः॥ गुणः॥ कसः॥
 शयः॥ धनः॥ तारुदयूव॥ १॥ अगुमः॥ ३॥ कुरु॥ अयनयायति॥ धनसंताय
 शयः॥ इत्यः॥ कुतहा॥ प्रागवभा॥ मानधनवयायति॥ १॥ सयुमः॥ ३॥ कुरुता
 गुजनयायति॥ मिगनः॥ अकल्यानशयः॥ अयमनयायति॥ १॥ शयुमः॥
 ३॥ कुरुत॥ गहनारुः॥ मागितारु॥ माहाधनसंरुगागितिलिः॥ किंतिः॥ मानः॥
 धनः॥ धनतारुदयूव॥ ८॥ नवमः॥ ३॥ कुरुत॥ धमातारु॥ मितारु॥ अथाव
 कः॥ मिगुः॥ गितिः॥ विद्याः॥ गुणः॥ समस्ततारुदयूव॥ ५॥ दसमः॥ ३॥ कुरु

दत्त॥ अथ मानुषायाम् कलहः संनमया प्र॥ किं गुणान्नसंभः मरिचकं मू॥ १० ॥
रुतहानि॥ १० ॥ प्रकाशकं रुत॥ मित्राकारं॥ धनकारं॥ अन्नकारः त्रितितारु॥ ११ ॥ द्वाद
संशुक्रुत॥ कदाचिन्नवः ग्रहासा॥ शक्राकारं॥ १२ ॥ ॐ तिष्ठ कुरातद॥ रुतसमा
मु॥ ॥ १३ ॥ नमोतिष्ठताम॥ नमोतिष्ठत रुत॥ विषरुयः अग्निदाहरुयः
मित्रविद्यागः अथहानिः युद्धसंगमनः स्मृतकस॥ सुरुकस॥ त्रितिः युद्धहानिः
॥ १ ॥ द्वितियमनिष्ठत रुत॥ नृप॥ नाग॥ सुखनागः धनकनः नाग॥ वरहानिः ग
र्वहानिः नाना प्रकारः धनहं वयनः रुतसंभः अथमिष्टमद॥ २ ॥ धनं तारु॥
॥ तीतियमनिष्ठत रुत॥ धनकारं॥ रुहातितारु॥ दासदासितारु॥ महिषतारु॥ अथता

रु॥ गंधूनारु॥ अन्नकारं॥ ३ ॥ वरुधमनिष्ठत रुत॥ मित्रविद्यागः धननागः त्रिवि
द्याग॥ सर्वदूरवः अथितवितु॥ ४ ॥ अन्नमनिष्ठत रुत॥ युद्धहानिः धनः स्मृतना
गः काकनासः उद्धमहानिः अथहानि॥ ५ ॥ अक्षुममनिष्ठत रुत॥ सुरुत हंताः
प्रागनाग॥ त्रिगुषयाति॥ ६ ॥ अक्षुमनिष्ठत रुत॥ त्रितितारु हानिः अथम
यवः गुह्यताग॥ त्रितिः मित्रहानि॥ ७ ॥ अक्षुमनिष्ठत रुत॥ त्रितिहिनः
युद्धहिनः दुष्कृतावः मरुतः शत्रुकस॥ ८ ॥ नवमनिष्ठत रुत॥ अथतः पिदाः
वंधयायतिः रुद्धयपिदाः अर्महानीः अग्निरुयः अमकात्रिः विष्णुनास॥ ९ ॥ दत्तम
निष्ठत रुत॥ अथययतिः अथहानिः विद्याहानिः किंतिहानिः किंतारुतहानि
नि॥ अथ किंतिहानि॥ १० ॥ प्रकाशकमनिष्ठत रुत॥ अन्नतितारुः अथतारु॥

कन्या विना गच्छतु गच्छतु कन्या स्यादकथं न मया विना गच्छतु ॥ २० ॥
 विद्यायाः कुतः शिष्ये न कर्तुं सर्वं धनं नोक्तं ॥ २१ ॥ इति विद्यायाः निष्ठिदौ गच्छतु
 कुतः शिष्ये न कर्तुं सर्वं धनं नोक्तं ॥ २२ ॥ अतः निष्ठिगान् प्रकुरु
 यथा ॥ २३ ॥ अत्रिगान् सुरु सुरु कत्रिगान् गच्छतु ॥ २४ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 गच्छतु सन कुरु सुरु सुरु न कल कुदयि विपु ॥ २५ ॥ न सखी
 वदतं मित्रं कौतुहलं न नखनद मित्रिणी किं न मित्रिणी ह त्रिनयुग
 अदव विविगुतं मित्रं न नखन सुरु गच्छतु ॥ २६ ॥ अतः कथं न गच्छतु

मन्त्रं सुरु वसु मयं युगात् ॥ २७ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ २८ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 कथं न गच्छतु ॥ २९ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३० ॥ अतः कथं न गच्छतु
 सयतिरु वसु कथं न गच्छतु ॥ ३१ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३२ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 हत कथं न गच्छतु ॥ ३३ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३४ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 ॥ ३५ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३६ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३७ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 कथं न गच्छतु ॥ ३८ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ३९ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 नदुःखं ॥ ४० ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ४१ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ४२ ॥ अतः कथं न गच्छतु
 गच्छतु ॥ ४३ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ४४ ॥ अतः कथं न गच्छतु ॥ ४५ ॥ अतः कथं न गच्छतु

॥ ३ ॥ वर्य आदि गुरुत ॥ नाग विदा ॥ विष्णु यरु गुरुत ॥ वर्य आदि गुरुत
 विष्णु ज्ञापन यम् ॥ गतिर नारादेव नि ॥ मिगु विगु ह ॥ ४ ॥ यरु म आदि गुरुत
 ॥ ॥ आग विदा ॥ गगु विदा ॥ अमकत ह ॥ कसित धम ॥ यगु गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ ५ ॥
 ॥ वर्य म आदि गुरुत ॥ ॥ नाग नाग ॥ सगु नाग ॥ गुरु नाग ॥ यगु नाग ॥ ६ ॥
 ॥ सगु नाग आदि गुरुत ॥ ॥ गगु नाग ॥ यगु नाग ॥ इव अगु विगु ॥ गगु नाग ॥ अगु नाग
 य ॥ ७ ॥ ॥ अगु म आदि गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ गगु गुरुत ॥ यगु गुरुत ॥ सगु गुरुत
 य ॥ ८ ॥ ॥ अगु म आदि गुरुत ॥ वर्य म आदि गुरुत ॥ वर्य म आदि गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥

॥ ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥
 वर्य म आदि गुरुत ॥ गगु नाग ॥ यगु नाग ॥ इव अगु विगु ॥ गगु नाग ॥ अगु नाग
 य ॥ ९ ॥ ॥ अगु म आदि गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ गगु गुरुत ॥ यगु गुरुत ॥ सगु गुरुत
 य ॥ १० ॥ ॥ अगु म आदि गुरुत ॥ वर्य म आदि गुरुत ॥ वर्य म आदि गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥
 गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥
 दस वर्य म आदि गुरुत ॥ धन नाग ॥ यगु नाग ॥ मिगु नाग ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥
 नव गुरुत ॥ ११ ॥ ॥ दस वर्य म आदि गुरुत ॥ सगु गुरुत ॥ सगु गुरुत ॥ नाग गुरुत ॥ नाग गुरुत
 उव नाग गुरुत ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥ गतिर नारादेव नि ॥

॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 जमवृहस्पतिरुनः ॥ धनहानिः ॥ वृद्धिहानिः ॥ सुनरुं सः ॥ अनेकविप्राधः ॥
 अथनासरीतरुमः ॥ मोक्षनासः ॥ सप्रोगः ॥ कुतूहलकत्रहः ॥ ॥ द्विगिपवृ
 हस्पतिरुनः ॥ भगुनवीरुमनययः ॥ त्रिगिः ॥ अथः ॥ सुनः ॥ अथः ॥ सुनः ॥
 धनः ॥ अथनासः ॥ २ ॥ द्विगिपवृहस्पतिरुनः ॥ सुनरुं सः ॥ काशनासः ॥
 अनेकविप्राधः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥ २ ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥
 तकरहः ॥ विगिपवृहस्पतिरुनः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥
 वृहस्पतिरुनः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥ अथनासः ॥

[illegible]

तनासः ॥ अथ गं ॥ वकनसः ॥ ननसूत्रं ॥ ॥ अथ गंधः
सूत्रं गहवः निनिमावः न निः श्वनि था कः कू स क्ति जा व तं ॥ ॥
कड तः मि स वू या वन त्रि या डा कः कू स स थं नः त वा नि वू य न
कू स या न स न मः क कू सू त ना स ॥ ॥ अथ न ह न वि श्व न रं य कि
व नः धू य निः य स ना सा न व नि या गं ध त सा ॥ स्वा न गु रू ग व वः स्म
स कू स या न स न ॥ ध य अ य म न या कू स या त रं गिः स्मा यः कू या न
य ह्या दू यः ना म गा यः कू सः ह द ह दः धा यः यि क्ति स या दि न ना

स ता ग धा य ध या वि कि सा य ॥ ॥ कू ना कि मि रं ॥ व न नि स मि
दा स या य कू स न हि हा व तं ॥ ॥ रु म हा तं व न नि स कू स या य
कू या य कू स स या क न ॥ ॥ ॐ कि मि तः धा य श तः क कू ॥ सा व त
वा ता व न क ॥ कू सि व व श त ॥ ॥ जि त स्वां वा तः व न हा मा त र दि
व क जि त ॥ ॐ कू मिः कं तं जः धू या तः ॥ ॥ यः संधूः व त स इ इः व क
य नः कू स स क वू व व या ॥ किं ॥ ॥ वा ना यि नाः क कू उ कू इ कि

॥ सन्द १३ तु विधि ॥ या मन्त्रां यनः ध्यानात् स धर्मे कु मया कतः वा
नयीतः स य मत्र कुः धर्मे या विकारनः मन्त्र प्रा गज्ञा यत्र यिव ॥ ॥
ध्या वि कि सा क्रा य ॥ ॥ म्र्या मा गहाः सि त्ता ता सः वि व सा ता वः मि
षा स थं दः मिषा सा क र्त्रं द ॥ ॥ ग्वता रनः वने नि द य के मिषा स थं
द षू नि त्र व त्रं द ॥ ॥ गिरु ताः सा धनः दा य कं न कः मिषा ह नू ना स ॥
व ह त द मे निः ग्वद ॥ कि वंः मा तः ग्वद ॥ यिय त्रिः ग्व ७ १ ३ मत्र रः ग्व ५
धन कि म त्रा रुः गिन नि सः ग्वद वि द द न यः कि म त्रा रु नि स रि

संतयः दि ~~व~~ न नध वति । नेः थद प्रन स वाताः याप्र श्रुति न त क
त यव ॥ ॥ न क ब द क सि व वा ता वः याप्र मि ष्ठा स्थाक तो ह ॥ ॥
॥ ॥ र वान धि न मा वि कि सा ज्ञा य ॥ जि ता ता म नु जा प्र नः वा न धि नः क
रं स्त्री रि ॥ स नि था न नः त न न कि न सु दा ॥ नू य क स त रं ष नि स्थं
द स या द भा द स्था क त द ॥ भ ॥ मन गितः धि य ति स्वा दः मत च ॥
श्व धन नि र्माः भा द स या प्रः वा ग द भा त रा ग क त द ॥ ॥ स ति

अनःश्रीः दीस्यः सा

सम्राजः कश्चिन्नवद्वन्द्वः ॥ १ ॥
॥ कमुद्रुतां ॥ विप्रमुखा कनः ॥ २ ॥
या ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥
॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥